हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 35 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 07 जनवरी से 13 जनवरी 2022

बढ़ते कोरोना केसों के बीच बीएमसी ने बदले नियम

20% पॉजिटिव केस मिलने पर ही सील होगी बिल्डिंग

मुंबई। बृहन्मुंबई नगरपालिका ने ओमिक्रॉन वैरिएंट के बढ़ते खतरे के बीच मंगलवार को बिल्डिंग सील करने को लेकर अपने नियमों में बदलाव किए हैं। बीएमसी ने कहा कि अगर किसी इमारत या विंग में रहने वाले कुल लोगों में से 20 फीसदी कोरोना संक्रमित पाए जाते हैं तो उसे सील कर दिया जाएगा। फिलहाल किसी इमारत को तभी सील किया जाता है जब उसमें 5 से ज्यादा कोरोना संक्रमित मिले और उसके आसपास की इमारतों में 10 से ज्यादा मामले हों। हालांकि, इन नियमों को अब बदला गया है। बीएमसी अधिकारियों ने बताया कि संतुलन बनाए रखने के लिए नियमों में बदलाव किए गए हैं। उनते मुताबिक इसे नियमों में ढील देने या फिर सख्ती करने का नाम नहीं दिया जा सकता। बीएमसी के ऐडिशनल म्यूनिसिपल कमिश्नर सुरेश काकणी ने कहा, ह्यहमने संतुलन बनाए रखा है, यह नियमों में ढील देने या फिर सख्ती बरतने जैसा नहीं है। कुछ बिल्डिंगों के लिए, जो छोटी हैं और पांच या उससे कम फ्लैट हैं, वहां पहले वाला नियम यानी कि पांच केसों पर सील करने वाला नियम उपयुक्त नहीं है। इसलिए हमने दिशानिदेर्शों में बदलाव किए हैं। जारी नए नियमों के मुताबिक जांच होने या लक्षण दिखने के दस दिन बाद तक मरीज को होम आइसोलेशन में रहना होगा।

पंजाब पीएम मोदी की फिरोजपुर रैली रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि आज सुबह पीएम नरेंद्र मोदी बठिंडा पहुंचे, जहां से उन्हें हेलिकॉप्टर से हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाना था. बारिश और खराब विजिबिलिटी की वजह से पीएम ने करीब 20 मिनट तक मौसम साफ होने का इंतजार किया. जब मौसम में सुधार नहीं हुआ, तो यह तय किया गया कि वह सड़क मार्ग से राष्ट्रीय मेरीटर्स मेमोरियल का दौरा करेंगे, जिसमें 2 घंटे से अधिक समय लगेगा.

बयान के अनुसार, ह्यडीजीपी पंजाब पुलिस द्वारा आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों की आवश्यक पुष्टि के बाद वह सड़क मार्ग से यात्रा करने के लिए आगे बढ़े. हुसैनीवाला में राष्ट्रीय शहीद स्मारक से लगभग 30 किलोमीटर दूर, जब पीएम का काफिला एक फ्लाईओवर पर पहुंचा, तो पाया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया था. इसके बाद पीएम मोदी 15-20 मिनट फ्लाईओवर पर फंसे रहे. यह पीएम की सुरक्षा में एक बड़ी चूक थी.

राजीव गांधी अस्पताल हुआ कोरोना विशेष, ओपीडी सेवाएं बंद

नई दिल्ली : कोरोना संक्रमण की दर 10 प्रतिशत के पार होते ही यमुनापार के अस्पतालों में भी तैयारियां तेज हो गई हैं। ताहिरपुर स्थित राजीव गांधी सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल फिर से कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित होने जा रहा है। बुधवार को यहां दूसरी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए ओपीडी, इमरजेंसी सहित अन्य सभी सेवाएं बंद कर दी गईं। सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अब कोरोना ड्यूटी में लगा दिया गया है। यहां फिलहाल तीन सौ आइसीयू बेड कोरोना मरीजों के लिए तैयार हो रहे हैं।अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. अशोक कुमार की तरफ से जारी आदेश में डा. विकास डोगरा को कोरोना का नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी स्वास्थ्यकर्मियों को उन्हें रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। डाक्टरों के मुताबिक अभी कुछ मरीज भर्ती हैं। इनकी छुट्टी या दूसरे अस्पतालों में व्यवस्था की जा रही है। इसमें एक से दो दिन का समय लग सकता है। इस दौरान कोरोना मरीजों के लिए तीन सौ बेड तैयार हो जाएंगे। बता दें कि अस्पताल की कुल क्षमता करीब 650 बेड की है। यहां पांच आक्सीजन संयंत्र भी लग चुके हैं और सभी चालू हालत में हैं। इसके साथ यहां 30 बेड का रैपिड रिस्पांस सेंटर भी है जिसे कोरोना मरीजों के लिए तैयार किया गया था।

अब पीएम खुद को फकीर न कहें संजय राउत ने मोदी पर साधा निशाना

मुंबई। राज्य में महाविकास आघाड़ी सरकार बनने के बाद महाराष्ट्र के भाजपा नेताओं के खिलाफ आक्रामक रुख अख्तियार करने वाली शिवसेना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा निशाना साधा है।

प्रधानमंत्री के बेड़े में 12 करोड़ रुपये की कार के शामिल करने को लेकर कहा गया है, कि अब प्रधानमंत्री मोदी को खुद को फकीर नहीं कहना चाहिए। शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत ने भारत में बनी कारों के इस्तेमाल के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और जान का खतरा होने पर भी अंगरक्षकों को न हटाने के फैसले के लिए इंदिरा गांधी की तारीफ की है। शिवसेना सांसद राउत ने कहा कि मोदी खुद को फकीर कहते हैं, प्रधानसेवक कहते है और विदेश में बनी कार का इस्तेमाल करते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए सुरक्षा और आराम बेहद जरूरी है, लेकिन, अब उन्हें खुद को फकीर कहना बंद कर देना चाहिए। मोदी स्वदेशी की बात करते है। उन्होंने मेक इन इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया शुरू किया है, लेकिन वह खुद विदेश में बनी कार का इस्तेमाल कर रहे है। शिवसेना नेता राउत ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तारीफ करते हुए कहा कि बंटवारे के बाद सुरक्षा का खतरा होते हुए भी जवाहरलाल नेहरू ने हमेशा भारत में बनी अंबेसडर कार का इस्तेमाल किया। राउत ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी जान पर खतरा होने के बावजूद सिख अंगरक्षकों को नहीं बदला। सिर्फ इतना ही नहीं, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी लोगों से घुलने-मिलने से परहेज नहीं किया और तमिलनाडु में लिट्टे के हमले में मारे गए।

राज्य के सभी सरकारी वाहन होंगे इलेक्ट्रिक

पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे का बड़ा ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने नए साल की शुरूआत में एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि, पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए राज्य के सभी सरकारी वाहन इलेक्ट्रिक होंगे। उन्होंने इस बाद की जानकारी उनके आधिकारिक ट्विटर पर दी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 1 अप्रैल 2022 के बजाय 1 जनवरी 2022 से सभी सरकारी विभागों के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने या किराए पर लेने के निर्णय को लागू करने का निर्णय लिया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि पर्यावरण मंत्रालय वैश्विक जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए उपाययोजना कर रहा है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने पर्यावरण मंत्रालय की वैश्विक जलवायु परिवर्तन नीति का समर्थन किया। मैं इसके लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं।उल्लेखनीय है कि, पिछले कुछ वर्षों में पेट्रोल-डीजल वाहनों से होने वाले प्रदूषण में काफी बढ़ गया है। जिस पर रोक लगाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें महत्वपुर्ण फैसले ले रही है। वहीं प्रदूषण को रोकने के लिए पिछले कुछ वर्षों से इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल पर भी जोर दिया जा रहा है। दूसरी तरफ लोग भी इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदारी कर रहे है। जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में भी उछाल नजर आ रहा है।

बता दें कि, कई कंपनियों में इलेक्ट्रिक वाहनों को बनाने में रूचि दिखा रहे है। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद के लिए सब्सिडी योजना को बढ़ा दिया है। 2021 इलेक्ट्रिक कार पॉलिसी के मुताबिक 31 दिसंबर 2021 तक सब्सिडी दी जानी थी, हालांकि अब इसे 31 मार्च, 2022 तक बढ़ा दिया गया है। अब राज्य सरकार इलेक्ट्रिक कारों की खरीद पर 1 लाख रुपये तक की सब्सिडी देगी। ज्ञात हो कि, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी कुछ दिन पहले इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर बड़ा ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि देश में जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में क्रांति होगी।

बांद्रा टर्मिनस पर पकड़ा गया चोर 23.60 लाख के आभूषण बरामद

मुंबई। पश्चिम रेलवे आरपीएफ स्टॉफ की सतर्कता से एक संदिग्ध व्यक्ति को 23.60 लाख के चोरी के आभूषण और अन्य सामान के साथ पकड़ा गया।

बताया गया कि बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर एक कांस्टेबल ने एक भारी बैग के साथ एक संदिग्ध व्यक्ति को आते देखा। शक होने पर पूछताछ के दौरान उसने भागने की कोशिश की।

पता चला कि उसने बांद्रा पूर्व के खेरवाड़ी इलाके में एक घर में चोरी की है। चोरी हुए सामान की कीमत 22,48,400 रुपये के सोने के आभूषण,17500 के चांदी के आभूषण के सामान और चांदी के सिक्के निकले। बैग में मिले अन्य सामानों में एक गुल्लक सहित 20748 नकद और 73,000 मूल्य की 14 घड़ियाँ मिलीं।

स्पीकर पद का चुनाव होता तो गिर सकती थी ठाकरे सरकार

विधानसभा में नाना पटोले का बयान

मुंबई। आखिरकार तमाम कोशिशों के बावजूद महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार दस महीने से खाली पड़े विधानसभा अध्यक्ष पद के चुनाव को करवाने में असफल रही है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने विधानसभा में एक चौंकाने वाली जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि महामहिम राज्यपाल की तरफ से जो जवाब आया है। अगर उसके बाद भी विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव करवाया जाता है तो संवैधानिक रूप से ठाकरे सरकार खतरे में आ सकती है। ऐसे में इस चुनाव को इस सत्र में ना करवाने का फैसला

लिया गया है। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार तक यह भूमिका रखी थी कि वे इस चुनाव को किसी भी कीमत पर करवाएंगे। हालांकि, सूत्रों की माने तो इसका विरोध खुद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की तरफ से भी किया गया था। इसके बाद खुद एनसीपी के सर्वेसर्वा और राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले शरद पवार ने भी इस चुनाव को ना करवाने की सलाह महाविकास अघाड़ी के नेताओं को दी थी। माना जा रहा है कि शरद पवार की सलाह के बाद इस चुनाव को ना करवाने का फैसला लिया गया है। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने आज सुबह तकरीबन 11 बजे दोबारा एक बंद लिफाफे में अपना जवाब ठाकरे सरकार को भेजा था। सूत्रों की मानें तो इस जवाब के बाद सदन में हलचल तेज हो गई। सत्ताधारी नेताओं ने इस पत्र के बाद मुख्यमंत्री से संपर्क कर चर्चा की।

देशमुख ने पैसों की हेराफेरी में दोनों बेटों को भी लगाया 7000 पन्नों की

चार्जशीट में चौंकाने वाले खुलासे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की मुश्किलें लगातार बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को उनके खिलाफ सात हजार से ज्यादा पन्नों की चार्जशीट विशेष पीएमएलए कोर्ट में फाइल की है। इस चार्जशीट में अनिल देशमुख और उनके परिवार पर 50 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया है। चार्जशीट में कहा गया है कि देशमुख और उनके परिवार ने उनसे संबंधित कंपनियों में इन पैसों को अवैध तरीके से निवेश किया है।

ईडी द्वारा फाइल की गई चार्जशीट में अनिल देशमुख के दोनों बेटों ऋषिकेश और सलिल के अलावा उनके सीए भाविक पंजवानी का नाम बतौर आरोपी दर्ज किया गया है। इस चार्जशीट में महाराष्ट्र के पूर्व चीफ सेक्रेटरी सीताराम कुंटे और मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह का बयान भी दर्ज है। हालांकि ईडी ने अभी तक संदिग्ध ट्रांजैक्शन के संबंध में ऋषिकेश और सलिल का बयान दर्ज नहीं किया है। आपको बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी जांच के दौरान यह पाया कि देशमुख और उनके परिवार ने उनसे संबंधित कंपनियों में कई संदिग्ध ट्रांजैक्शन किए हैं। हालांकि पूछताछ के दौरान ईडी को भाविक पंजवानी और अन्य लोगों से संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय ने अभी तक महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता अनिल परब के बारे में भी चार्जशीट में कोई विशेष जिक्र नहीं किया है। इसके अलावा चार्जशीट में 12 आईपीएस अधिकारियों के बयान को भी शामिल नहीं किया गया है। जिन्हें जिनसे ईडी ने पूछताछ की थी। ईडी को शक है कि इन सभी अधिकारियों ने यह पोस्टिंग अनिल देशमुख के रिकमेंडेशन के बाद हासिल की हैं। फिलहाल ईडी इस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। अगर यह पैसों के लेनदेन से जुड़ा हुआ मामला निकला तो इसे भी चार्जशीट में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा ईडी जांच कर रही है कि क्या इस मामले में अनिल परब की तरफ से अनिल देशमुख को कुछ अधिकारियों के नाम दिए गए थे ताकि उनकी मलाईदार जगहों पर पोस्टिंग की जा सके। प्रवर्तन निदेशालय को महाराष्ट्र स्टेट इंटेलिजेंस विभाग की कमिश्नर रश्मि शुक्ला कि वह रिपोर्ट भी नहीं मिल पाई है। जिसमें यह कहा गया था कि उन्होंने कई प्रभावशाली लोगों और नेताओं की फोन पर हुई बातचीत को रिकॉर्ड किया था। जिसमें यह पता चला था कि पैसे लेकर पुलिस अधिकारियों की पोस्टिंग मलाईदार जगह पर की जा रही है। ईडी की तरफ से अनिल देशमुख मामले में यह दूसरी चार्जशीट बुधवार को दायर की गई है। इसके पहले अगस्त के महीने में ईडी ने पहली चार्जशीटअनिल देशमुख के नागपुर स्थित श्री साईं शिक्षण संस्था उनके निजी सचिव संजीव पलांडे और निजी सहायक कुंदन शिंदे और बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे के संबंध में दायर की थी। देशमुख पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए .

मंत्री आव्हाड ने कालीचरण बाबा के खिलाफ दर्ज कराया केस

ठाणे। राज्य के गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड कल अचानक नौपाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचे और कालीचरण बाबा द्वारा महात्मा गांधी पर दिए गए विवादित बयान का विरोध करते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। रायपुर में आयोजित धर्म संसद में तथाकथित संत कालीचरण ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आलोचना कर नाथूराम गोडसे को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया था। बाबा कालीचरण के इस विवादित बयान पर अब पूरे देश में लोग अपने गुस्से का इजहार कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि बाबा कालीचरण ने यह आलोचना कर पूरे देश का अपमान किया है। जिसे संज्ञान में लेते हुए राज्य के गृहनिर्माण मंत्री डॉ. जितेंद्र आव्हाड और एनसीपी के नगर अध्यक्ष आनंद परांजपे समेत सैकड़ों कार्यकताओं ने नौपाड़ा थाने पहुंच गए और उन्होंने बाबा कालीचरण के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई। इस समय मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि रायपुर में आयोजित धर्म संसद में कालीचरण बाबा ने महात्मा गांधी के खिलाफ जो आपत्तिजनक बयान दिया है।

एकनाथ खडसे की बेटी पर हमला बाल-बाल बचीं रोहिणी खडसे

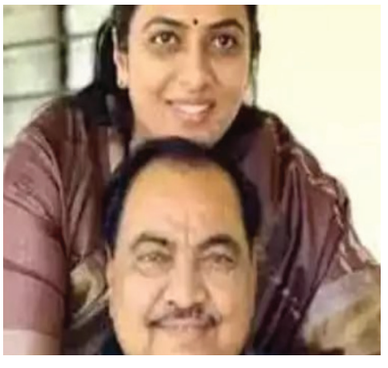

मुंबई। एनसीपी के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के ऊपर जलगांव जिले में पांच अज्ञात लोगों ने हमला किया है। इस जानलेवा हमले में रोहिणी खडसे बाल- बाल बच गईं है। उनकी कार पर यह हमला बीती रात तकरीबन 8 बजे के आसपास हुआ। जानकारी के मुताबिक रोहिणी खडसे मानेगांव से मुक्ताईनगर की तरफ जा रही थीं। तभी अज्ञात हमलावरों ने उनकी कार पर हमला कर दिया। इस दौरान रोहिणी खडसे के साथ कार में उनके निजी सहायक पांडुरंग नफडे और ड्राइवर मौजूद थे। हमलावरों ने उनकी कार के शीशे पर एक बड़े पत्थर से निशाना साधा। हमले के बाद हमलावर फरार हो गए।

जलगांव के मुक्ताईनगर सीट पर बीते कुछ दिनों से शिवसेना और एनसीपी नेताओं के बीच संघर्ष चल रहा है। रोहिणी खडसे पर हमले को भी इसी संघर्ष से जोड़कर देखा जा रहा है। इस हमले के बाद एकनाथ खडसे के बंगले पर समर्थकों की भीड़ जुटी हुई। एकनाथ खडसे ने अपनी बेटी पर हुए हमले को लेकर स्थानीय शिवसेना विधायक चंद्रकांत पाटिल पर निशाना साधा है। खडसे ने कहा कि महिलाओं पर हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संपादकीय

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

वैष्णोदेवी हादसा

नए वर्ष के पहले ही दिन यह समाचार सामने आना आघातकारी है कि जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई घायल हो गए। यह घटना इसलिए अनेपक्षित और दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि माता वैष्णो देवी मंदिर की व्यवस्था को अपेक्षाकृत अच्छा माना जाता है। हालांकि माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने इन आरोपों का खंडन किया है कि भारी भीड़ को संभालने के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाए गए थे, लेकिन सवाल यह है कि आखिर भगदड़ क्यों मची यदि यह सही है कि कुछ श्रद्धालुओं के बीच झगड़े के कारण स्थिति बिगड़ी तो फिर सवाल यह है कि उसे समय रहते संभाला क्यों नहीं जा सका? सवाल यह भी है कि क्या माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड इसका अनुमान नहीं लगा सका कि नववर्ष के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे? नववर्ष पर ऐसा होता ही है-न केवल वैष्णो देवी मंदिर में, बल्कि देश के अन्य धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में भी। आवश्यक केवल यह नहीं कि भगदड़ मचने के कारणों की गहन जांच हो, बल्कि यह भी है कि उससे सबक सीखे जाएं। ये सबक वैष्णो देवी मंदिर समेत अन्य धार्मिक स्थलों का प्रबंध करने वालों और संबंधित प्रशासन को भी सीखने होंगे, क्योंकि अपने देश में धार्मिक स्थलों में भगदड़ मचने से घटने वाली घटनाओं का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब यह सिलसिला थमना ही चाहिए। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि एक के बाद एक मंदिरों में भगदड़ मचने की अनगिनत घटनाओं के बाद भी इस तरह के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ऐसा लगता है कि धार्मिक स्थलों और साथ ही सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन के आवश्यक तौर-तरीके अपनाने में अभी भी ढिलाई बरती जा रही है। ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने में देर नहीं की जानी चाहिए। इस तरह की घटनाओं में केवल लोगों की जान ही नहीं जाती, बल्कि देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। सार्वजनिक स्थलों में भीड़ प्रबंधन के बेहतर उपायों पर सख्ती से अमल करने के साथ ही यह भी जरूरी है कि लोग अपनी नागरिक जिम्मेदारी के निर्वहन के प्रति और अधिक सचेत हों। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अक्सर लोग भीड़ वाले स्थानों में अपेक्षित अनुशासन और संयम का परिचय नहीं देते। ऐसे स्थलों में एक-दूसरे से आगे निकलने की आपाधापी तो दिखती ही है, कतार में खड़े होने से भी बचा जाता है।

क्या अब विदा हो जाएगा कोरोना

यह सवाल अब हर किसी के दिमाग में है। पिछले दो साल में महामारी ने हमें जो परेशानियां दी हैं, उसके चलते लोग मुक्ति के लिए बेचैन हैं। कुछ लोग अपने चेहरे पर तने मास्क से आजादी चाहते हैं, तो बहुत से लोगों की चिंता यह है कि साल 2020 के शुरू में लॉकडाउन ने उन्हें अर्थव्यवस्था से बाहर फेंककर जो रोजगार छीन लिया था, वह उन्हें कब वापस मिलेगा? जितने तरह के लोग, महामारी ने तकरीबन उतनी ही तरह के दुख दिए हैं।

अक्तूबर आते-आते एकबारगी यह लगने लगा था कि महामारी से मुक्ति का रास्ता खुल रहा है। कोरोना वायरस का डेल्टा वेरिएंट दुनिया भर में फैल चुका था। इससे मिली हर्ड इम्युनिटी और बडे.पैमाने पर हुए टीकाकरण से यह विश्वास जग रहा था कि दुनिया अब फिर से इसकी चपेट में नहीं आने वाली। कुछ वैज्ञानिकों ने तो गणितीय मॉडल तैयार करके यह घोषणा कर दी थी कि कोरोना वायरस का प्रकोप अपने चरम पर पहुंच चुका है और जल्द ही यह उतार पर होगा। यह भी कहा गया कि कोविड की बीमारी अब भारत जैसे देशों में एक मौसमी बुखार बनकर रह जाएगी। चिकित्साशास्त्र की भाषा में वह पैंडेमिक से बदलकर एंडेमिक बन जाएगी। लेकिन तभी ओमीक्रोन आ गया और सारी उम्मीदें ध्वस्त हो गईं। अब 2022 की शुरूआत में हम फिर वहीं खड़े हैं, जहां 2021 की शुरूआत में खड़े थे। पिछले साल ने हमें जो भय और दुख-दर्द दिए, उनकी याद अब भी ताजा है। इसीलिए इस सवाल से जुड़ी बेचैनी और बढ़ गई है कि इस महामारी से मुक्ति कब और कैसे मिलेगी?

महामारियों का पूरा इतिहास हमें बहुत कुछ बताता है, लेकिन मुक्ति कब और कैसे मिलेगी, इसका कोई पुख्ता आश्वासन नहीं देता। अतीत में जितनी भी महामारियां थीं, सब अलग तरह से आईं और अलग ही तरह से विदा हुईं। एक सदी पहले आए स्पेनिश फ्लू की तुलना अक्सर कोविड से की जाती है। वह महामारी तकरीबन दो साल तक चली थी। स्पेनिश फ्लू की तीसरी लहर में वायरस की जो किस्म आई थी, उसकी आक्रामकता काफी कमजोर थी और उसने इसे सर्दी-बुखार जैसे रोग में बदल दिया था। कुछ लोग यही उम्मीद अब ओमीक्रोन से भी कर रहे हैं। लेकिन जो स्पेनिश फ्लू के साथ हुआ था, वही कोविड के साथ भी होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

इस बारे में इतिहास सिर्फ एक ही चीज बताता है कि महामारियां एक-दूसरे की नकल नहीं करतीं। हर महामारी की विदाई एक तरह से नहीं हुई। मसलन, चेचक ने सदियों तक मानवता को परेशान किया और फिर वैक्सीन ने उसे हमेशा के लिए खत्म किया। यह अकेली महामारी है, जिसका पूरी तरह उन्मूलन कर दिया गया। प्लेग और हैजे ने भी लंबे समय तक परेशान किया। वैक्सीन ने उनसे बचने में कुछ मदद जरूर की, लेकिन ये बैक्टीरिया से फैलने वाली महामारियां थीं, जिनसे एंटीबायोटिक के अविष्कार ने हमें निजात दिलाई।

इतिहास इतना ही बताता है कि महामारियां हमेशा के लिए नहीं आतीं, उन्हें एक दिन चले ही जाना होता है, लेकिन किसी महामारी के विदाई के वक्त की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। और फिर हम महामारी के विदाई-काल के इंतजार में हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते।

कब मनाई जाएगी लोहड़ी

जनवरी 2022 में कई प्रमुख त्योहार पड़ने वाले हैं. जिसमें से एक लोहड़ी भी है. लोहड़ी का पर्व पौष कृष्ण एकादशी को पड़ता है. लेकिन तारीख के हिसाब से लोहड़ी 13 जनवरी को पड़ने वाली है. लोहड़ी पर्व को मुख्य रूप से किसानों द्वारा मनाया जाता है. इसके अलावा इस दिन को किसानों के नए साल रूप में भी मनाया जाता है. लोहड़ी पर अलाव जलाकर उसमें गेहूं की बालियां दी जाती हैं. साथ ही इस पर्व पर पंजाबी समुदाय के लोग भांगड़ा कर इस पर्व को मनाते हैं. पंजाबी परंपरा के मुताबिक लोहड़ी फसल की कटाई और बुआई से जुड़ा हुआ पर्व है. लोहड़ी के अवसर पर लोग

जलाकर इसके आसपास नाचते और गाते हैं. आग में गुड़, तिल, रेवड़ी, गजक आदि डाले जाते हैं. तिल, गुड़, गजक, रेवड़ी और मिठाई आदि बांटे जाते हैं. इस पर्व को पंजाब में फसल कटने के बाद मनाया जाता है. लोहड़ी पर्व में दुल्ला भट्टी की कहानी सुनने की परंपरा बहुत पुरानी है. इस दिन आग के चारो ओर लोग घेरकर बैठते हैं.

अयोध्या में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने की समीक्षा, बोले– विधानसभा चुनाव की तैयारी

अयोध्याः मुख्य सचिव का पद संभालने के बाद पहली बार रामनगरी अयोध्या पहुंचे दुर्गा शंकर मिश्रा ने दर्शन-पूजन के बाद राम मंदिर के निर्माण को भी देखा। इसके बाद अयोध्या में विकास कार्य के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।

अयोध्या में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने समीक्षा बैठक के बाद मीडिया को भी संबोधित किया। इस दौरान भी मीडिया का फोकस विधानसभा चुनाव को लेकर रहा। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने कहा कि प्रदेश शासन विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। हमको इसके लिए केन्द्र से 225 कंपनी पैरामिलेट्री फोर्स से मिल चुकी है। निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश में एक-एक बूथ की चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर चुका है। निर्वाचन आयोग हमारी तैयारी से संतुष्ट है।मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्र ने पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित हो रही रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था व विकास कार्यों की समीक्षा करने के बाद सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता की।

लड़की हूं, लड़ सकती हूं, अपना अधिकार ले सकती हूं, बोलीं बरेली की लड़कियां

बरेलीः यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा दिए गए नारे का उपयोग बरेली की लड़कियों ने उन्हीं के खिलाफ किया। बरेली में हुई मैराथन के पुरस्कार वितरण समारोह में पहुंची लड़कियों ने जहां हंगामा किया।

वहीं उन्होंने कांग्रेसियों के सामने ही लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा लगाकर अपना विरोध जताया।विरोध कर रही लड़कियों ने साफ तौर पर कहा कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं, अपना अधिकार ले सकती हूं। गौरतलब है कि मैराथन दौड़ में भगदड़ के बाद कांग्रेसियों ने लड़कियों को अपने पुरस्कार देने के लिए अपने कार्यालय में बुलाया था।जहां प्रतिभागियो की चस्पी लिस्ट में अपना नाम न देखकर लड़कियों का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। जिसके बाद उन्होंने अपना विरोध दर्ज कराया।

पूर्वांचल की सूरत बदल देगी चार हजार करोड़ रुपये की 252 किलोमीटर लंबी यह सड़क, नितिन गडकरी ने दिया तोहफा

गोरखपुरः केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मखौड़ा को रामेश्वरम से जोड़ने का एलान किया। कहा कि सरयू नदी को जल यातायात से भी जोड़ने की दिशा में कार्य चल रहा है। इससे राम भक्तों को अयोध्या आने जाने के लिए सस्ता,सुरक्षित एवं सुलभ साधन उपलब्ध हो जाएगा।केंद्रीय मंत्री गुरुवार को भगवान राम के उद्भवस्थली मखौड़ा धाम में पहुंचे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ चार हजार करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाले 84 कोसी परिक्रमा मार्ग शिलान्यास किया। कहा कि भगवान श्रीराम वन गमन मार्ग 258 किलोमीटर लंबा है। अयोध्या से होते हुए सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ राजापुर के रास्ते चित्रकूट तक निर्माण होना है। मध्य प्रदेश के रास्ते इसे रामेश्वरम से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार हो चुकी है। बस्ती में परिक्रमा मार्ग के बनने से समूचे बस्ती जिले का विकास होगा। मार्ग पर पांच मीटर का पैदल पथ वे बनेगा साथ्ज्ञ ही परिक्रमा मार्ग के दोनों तरफ छायादार वृक्ष रोपित किए जाएंगे। भगवान श्रीराम से जुड़े चित्र इस मार्ग पर लगाए जाएंगे। परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह विश्राम स्थल बनाकर जन सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का चौमुखी विकास हो रहा है। कानून व्यवस्था की स्थिति पहले से काफी बेहतर हुई है। धार्मिक नगरी अयोध्या को अंतराष्ट्रीय स्तर की नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि सरयू नदी को जल यातायात से जोड़ा जाएगा। इससे यातायात सस्ता होगा।

उत्तर प्रदेश में लगातर बढ़ रहे कोरोना वायरस से संक्रमित, 24 घंटे में 3121 नए केस

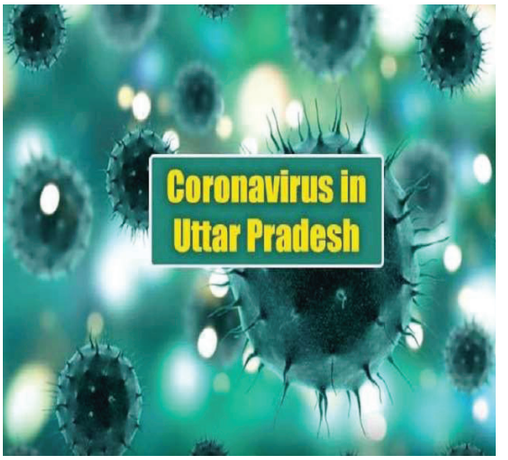

लखनऊः वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर ने अन्य राज्यों की तरह ही उत्तर प्रदेश में भी गति पकड़ ली है। प्रदेश में रोज करीब डेढ़ गुणा नए केस बढ़ रहे हैं। बीते 24 घंटे की सैंपल रिपोर्ट आने के बाद प्रदेश में 3121 नए संक्रमित मिले हैं। प्रदेश में अब एक्टिव केस भी बढ़कर 8224 हो गए हैं।प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि गुरुवार को प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के 3121 नए केस मिले हैं। इससे पहले बुधवार को यह संख्या 2023 तथा मंगलवार को 992 थी। प्रदेश में अब 8224 एक्टिव केस हैं। रिकवरी रेट भी 98.2 प्रतिशत हो गया है। जबकि पॉजिटिवटी रेट 1.83 प्रतिशत है। जो कि 0.5 था। उत्तर प्रदेश के तीन जिलों में एक्टिव केस भी हजार के पार हो गए हैं। गौतमबुद्धनगर में 1706, गाजियाबाद में 1180 और लखनऊ में 1153 एक्टिव केस हो गए हैं। मेरठ में भी 798 एक्टिव केस हैं।

प्रदेश में बीते 24 घंटों में 1,96,502 जांचों में 3,121 कोरोना के मामलों की पुष्टि हुई। बीते 24 घंटों में 47 लोगों ने कोरोना संक्रमण को मात दी है। प्रदेश में गुरुवार को गौतमबुद्धनगर में सर्वाधिक 600, लखनऊ में 408, मेरठ में मेरठ 401, गाजियाबाद में 382, आगरा में 131, प्रयागराज में 128 तथा वाराणसी में 126 नए संक्रमित मिले हैं। प्रदेश में बुधवार को कुल 1,96,502 सैम्पल की जांच की गयी। विभिन्न जनपदों से आरटीपीसीआर जांच के लिए 1,19,397 सैम्पल भेजे गये।

इसमें कोरोना संक्रमण के 3121 नए मामले आये हैं। प्रदेश में अब तक कुल 9,39,89,785 सैम्पल की जांच की गई है।

कविता

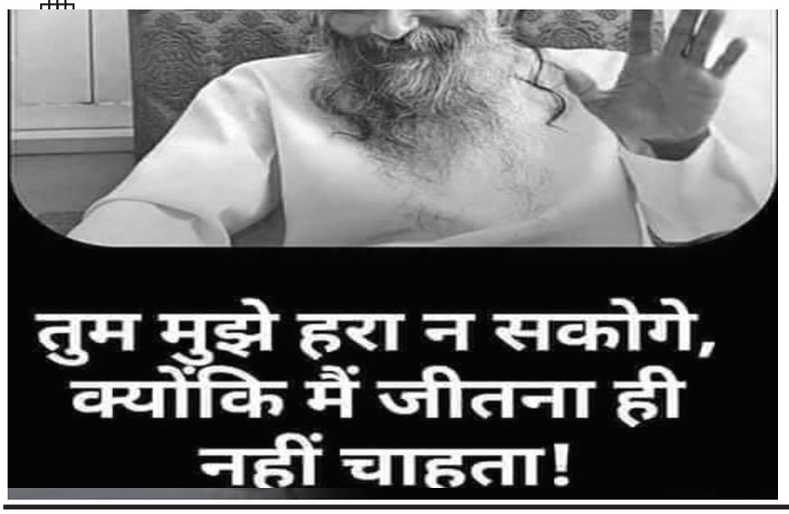

कहै कबीर दीवाना-ओशो

कसी का दिवाला निकलने के करीब है, आना पड़ा।

लेकिन चर्चा में मरे हुए लोग पाए जाएंगे। क्योंकि रविवार नियम से जाना है। वह एक सामाजिक औपचारिक है। लेकिन पश्चिम की दौड़ वस्तुओं के लिए है। इसलिए पश्चिम आस्तिक हो नहीं सकता।

इससे तुम यह मत सोच लेना कि तुम आस्तिक हो। अक्सर ऐसा होता है, कि जब भी कोई कहता है कि पश्चिम आस्तिक नहीं है, तब तुम बड़े प्रसन्न होते हो। तुम सोचते हो, हम आस्तिक हैं। तुम भी आस्तिक नहीं हो। आस्तिक होना बड़ा क्रांतिकारी घटना है। उसका पूरब-पश्चिम से कोई लेना देना नहीं है। वह भूगोल की बात नहीं है। आस्तिक होता है। समाज तो अब तक कोई आस्तिक नहीं हुआ। न हिंदू समाज, न जैन समाज, न भारतीय समाज, न चीनी समाज। कोई समाज, कोई राष्ट्र अब तक धार्मिक नहीं हुआ। क्योंकि समूह तो निन्यानबे प्रतिशत लोगों से बना है--वे जो वस्तुओं के प्रेमी हैं।

जारी.....

लो ब्लड प्रेशर के लिए डाइट

लो ब्लड प्रेशर के लिए डाइटः डायटीशियन से जानें लो ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए पूरे दिन का डाइट प्लान कई लोग लो ब्लड प्रेशर से परेशान रहते हैं। काम के दौरान भी उन्हें सुस्ती महसूस होती है। किसी काम में मन नहीं लगता है। साथ ही चक्कर आना और जल्दी थक जाने की समस्या से भी होती है। ऐसे में लो ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए एक आम दिनचर्या का पालन करना बहुत मुश्किल हो जाता है। उनके लिए बाहर जाने में भी काफी परेशानी होती है। लो ब्लड प्रेशर के कई कारण हो सकते हैं। एक तो आप संतुलित आहार का सेवन नहीं कर रहे हैं, जिसकी वजह से आपके शरीर को सभी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं। कभी-कभी लो ब्लड प्रेशर में लोगों को खाने का मन भी नहीं करता है या फिर कई बार लोग वजन कम करने के चक्कर में भी खाना कम खाते हैं, जिसकी वजह से प्रेशर लो सकता है। ऐसे में आपका शरीर अच्छी तरह से काम भी नहीं करता है। लो ब्लड प्रेशर का दूसरा कारण है पानी कम पीना। बहुत से लोगों को कम पानी पीने की आदत

'उलट-पुलट' गई मलाइका

मुंबई- स्लिम फिगर की मालकिन मलाइका अरोड़ा की फिटनेस का जवा नहीं। बॉलीवुड की यह बेब उम्र को मात देती है। ४८ की उम्र में भी मलाइक की फुर्ती गजब की है। मलाइका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह योग करती हुई नजर आ रही हैं। लेकिन इसमें एक ट्विस्ट है मलाइका ने योग के उत्कटासन को 'रॉक एंड रोल' से जोड़ दिया है। खुद वह भ वीडियो में इस आसन को करते हुए 'उलट-पुलट' जा रही हैं। एक्ट्रेस और डांस ने फैंस को चैलेंज देते हुए इस नए ट्रेंड से जुड़ने की अपील की है। वीडियो मलाइका स्पोर्ट्स ब्रा और मिनी शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट कर हुए मलाइका लिखती हैं, 'क्या आप एक चैलेंज के लिए तैयार हैं? क्योंकि य मलाइका का मूवी ऑफ द वीक है। उत्कटासन के साथ रॉक एंड रोल चैलेंजिं और फन है। यह आपके कोर और पूरी बॉडी के लिए एक बेहतरीन वर्कआउ है।' वैसे, यदि आप मलाइका को इंस्टाग्राम पर फॉलो नहीं करते हैं तो यह जा लीजिए कि मोहतरमा हर सोमवार को योग से जुड़ा हुआ एक पोस्ट करती हैं

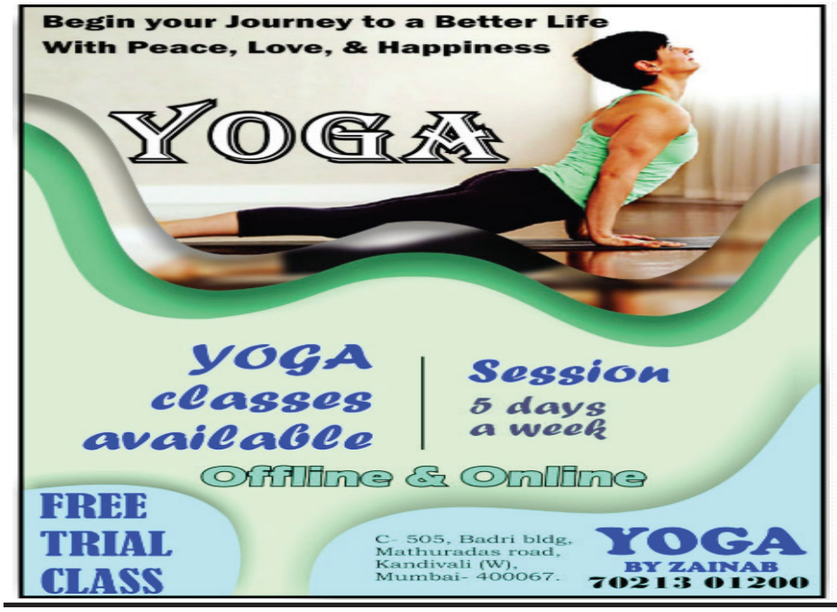

साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट से जीता दूसरा टेस्ट, भारत के खिलाफ सीरीज में 1-1 की बराबरी

नई दिल्ली: भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला जोहान्सबर्ग में खेला गया। मैच के चौथे दिन साउथ अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर की नाबाद 96 रन की पारी के दम पर जीत हासिल कर सीरीज में 1-1 की बराबरी की। भारत ने मेजबान टीम के सामने 240 रन का लक्ष्य रखा था जिसे एक दिन का खेल बाकी रहते ही टीम ने हासिल कर लिया। चौथे दिन के पहले दो सेशन का खेल बारिश की वजह से नहीं खेला जा सका।

भारत ने पहली पारी में 202 रन बनाया था जिसके बाद साउथ अफ्रीका की टीम 229 रन बनाकर 27 रन की बढ़त लेने में कामयाब रही। दूसरी पारी में भारतीय टीम 266 रन पर आल आउट हो गई और साउथ अफ्रीका के सामने जीत के लिए 240 रन का लक्ष्य रखा। मैच के चौथे दिन 3 विकेट गंवाकर मेजबान टीम ने जीत दर्ज कर ली। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज मैच की दूसरी पारी में काफी संभलकर बल्लेबाजी करते हुए नजर आए। 240 रन के टारगेट के जबाव में पहले विकेट के लिए डीन एल्गर ने मार्करम ने टीम को अच्छी शुरूआत दी और प्रोटियाज का पहला विकेट 47 रन के स्कोर पर गिरा।

मार्करम को 31 रन के स्कोर पर शार्दुल ठाकुर ने पगबाधा आउट किया। वहीं कीगन पीटरसन को अश्विन ने 28 रन के स्कोर पर पगबाधा आउट करके पवेलियन वापस भेज दिया। भारत की तीसरी सफलता शमी ने डुसेन को 40 रन पर आउट करके दिलवाई।

मोहम्मद शमी ने वान डेर डुसेन को चेतेश्वर पुजारा के हाथों कैच करवा भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बदा तेंबा बवूमा ने कप्तान के साथ मिलकर मैच को अंजाम तक पहुंचाया।

कप्तान एल्गर ने 188 गेंद पर 10 चौके की मदद से नाबाद 96 रन की पारी खेली जबकि बवूमा 23 रन बनाकर वापस लौटे।

भारतीय बल्लेबाजों ने मैच की दूसरी पारी में वापसी की पूरी कोशिश की, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पूरी टीम सिर्फ 266 रन पर ही आल आउट हो गई। हालांकि पुजारा और रहाणे जिन पर काफी सवाल उठ रहे थे इन दोनों ने 53 और 58 रन की पारी खेली। इसके बाद हनुमा विहारी ने भी 40 रन का योगदान दिया और फिर शार्दुल ठाकुर ने 24 गेंदों पर एक छक्का और 5 चौकों के साथ 28 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचा दिया। कप्तान केएल राहुल ने दूसरी पारी में 8 रन, मयंक अग्रवाल ने 23 रन, रिषभ पंत ने जीरो रन का योगदान दिया। इस मैच में विराट कोहली चोटिल होने की वजह से नहीं खेल पाए थे और उनकी जगह केएल राहुल को कप्तानी की जिम्मेदारी मिली थी। राहुल ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था और भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में सिर्फ 202 रन बनाए।

भारत की तरफ से केएल राहुल ने 50 रन जबकि आर अश्विन ने 46 रन की सबसे बड़ी पारी खेली थी। भारत की पहली पारी में 202 रन के जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया कीगन पीटरसन के 62 रन और तेंबा बावुमा के 51 रन की पारी के दम पर 229 रन का स्कोर खड़ा किया।

कोहली के लिए तीसरे टेस्ट मैच में हनुमा विहारी नहीं किस खिलाड़ी को करना चाहिए बाहर, गंभीर ने बताया नाम

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा टेस्ट मैच 11 जनवरी से खेला जाएगा और इस मैच में टीम के नियमित टेस्ट कप्तान विराट कोहली की वापसी होगी। अब उनकी वापसी के बाद प्लेइंग इलेवन से किसी एक भारतीय बल्लेबाज को बाहर बैठना पड़ेगा। कोहली इंजरी की वजह से दूसरे टेस्ट मैच से ठीक पहले प्लेइंग इलेवन से बाहर हो गए थे और केएल राहुल को टीम की कमान मिली थी। कोहली के लौटने के बाद राहुल फिर से उप-कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। अब उनकी वापसी के बाद मध्यक्रम के किस बल्लेबाज को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जाना चाहिए इसके बारे में पूर्व ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर ने बताया। कोहली की वापसी के बाद जिन दो खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है उसमें हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे का नाम सामने आ रहा है। हालांकि गौतम गंभीर ने विहारी को टीम बनाए रखने की वकालत की है। स्टार स्पोर्ट्स के साथ बात करते हुए गंभीर ने कहा कि विहारी को रिटेन करना सही कदम होगा और कहा कि हमने लंबे समय से देखा है कि रहाणे ने क्या प्रदर्शन किया है। मेरा मानना है कि जब विराट कोहली अगले टेस्ट मैच में आते हैं, तो वह नंबर 4 पर बल्लेबाजी करें और हनुमा नंबर 5 पर खेलें।

उन्होंने कहा कि यह सही कदम होगा क्योंकि अगर टीम प्रबंधन ने रहाणे का इतना समर्थन किया है, तो हनुमा विहारी का उतना ही समर्थन करने का समय आ गया है क्योंकि वह दोनों पारियों में बहुत ठोस दिखे हैं। रहाणे, ने शुरूआती टेस्ट मैच की पहली पारी में महत्वपूर्ण 48 रन बनाए तो वहीं दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में 78 गेंदों पर 58 रन बनाए थे। वहीं विहारी ने भी अहम भूमिका निभाई और दूसरी पारी में 84 रन पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे। तीसरे टेस्ट मैच में टीम मैनेजमेंट के लिए ये फैसला करना कठिन हो सकता है।

घरेलू सत्र को दोबारा शुरू करने के लिए बोर्ड सब कुछ करेगा, सौरव गांगुली ने दिया आश्वासन

मुंबई: बीसीसीआइ के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने राज्य इकाइयों को आश्वस्त किया कि बोर्ड कोविड-19 के बढ़ने से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के नियंत्रण में आने के बाद घरेलू सत्र को दोबारा शुरू करने के लिए सब कुछ करेगा। देश भर में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण बीसीसीआइ को मंगलवार को रणजी ट्राफी सहित कुछ बड़े टूर्नामेंट को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। रणजी ट्राफी इस महीने के अंत में शुरू होनी थी।

गांगुली ने राज्य संघों को लिखे एक पत्र में कहा, ह्यआप इस बात से वाकिफ ही हो कि हमें कोविड-19 हालात के खराब होने के कारण मौजूदा घरेलू सत्र को रोकना पड़ा। रणजी ट्राफी और सीके नायुडू ट्राफी इस महीने शुरू होनी थी जबकि सीनियर महिला टी-20 लीग फरवरी में आयोजित होती। गांगुली ने सभी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों और सचिवों को लिखे मेल में कहा, ह्यकोविड-19 मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कई टीमों में कई पाजिटिव मामले सामने आए। इससे खिलाड़ियों, अधिकारियों और टूर्नामेंट को चलाने से संबंधित अन्य लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो गया।

गांगुली ने कहा कि घरेलू सत्र को दोबारा शुरू करने के लिए बोर्ड सब कुछ करेगा। उन्होंने कहा, ह्यबीसीसीआइ आश्वस्त करना चाहेगा कि जैसे ही कोविड-19 हालात काबू में आते हैं, बोर्ड घरेलू सत्र को फिर से शुरू करने के लिए सब कुछ करेगा। हम इस सत्र के बचे हुए टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बोर्ड संशोधित योजना के साथ जल्द ही आपके पास वापस आएगा। मैं आपके सहयोग और परिस्थितियों को समझने के लिए आपका शुक्रगुजार हूं। अपना ध्यान रखिये और सुरक्षित व स्वस्थ रहिये। बंगाल टीम के सात सदस्य और भारतीय आलराउंडर शिवम दुबे के साथ मुंबई की टीम के वीडियो विश्लेषक रणजी ट्राफी के शुरू होने से पहले कोविड-19 पाजिटिव पाए गए थे जिसे 13 जनवरी से शुरू होना था।

आग लगने से गोदाम हुआ खाक

मुंबईः मुंबई के घाटकोपर इलाके में आग लगने की खबर सामने आई है। आग एक बस्ती में बने गोदाम में लगी है। आग इतनी भीषण है की उसपर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई है। फिलहाल अभी जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक आग एक गोदाम में लगी है। आग की लपटे काफी दूर से नजर आ रही है। आग लगने की वजहों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। वहीं घाटकोपर में लगी आग में किसी हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। दमकलकर्मियों की तरफ से आग बुझाने का काम तेजी से जारी है। वीडियो में देखा जा सकता है कि झुग्गियों के बीच भीषण आग लगी है। आग का धुंआ काफी उंचाई तक दिख रहा है। बता दें कि इससे पहले नवंबर महीने में मुंबई के मानखुर्द इलाके के मंडला कबाड़ बाजार के एक गोदाम में भीषण आग लग गई थी। आग की खबर मिलते ही मौके पर दमकल की 12 गाडियां पहुंची थी।

बीकेसी जंबो कोविड सेंटर फिर हुआ शुरु

मुंबई। मुंबई में एक बार फिर से कोरोना के बढ़ते मामलों से सरकार चिंतित है। कई लोग तो इसे कोरोना की तीसरी लहर आने का भी संकेत बता रहे हैं। साथ ही कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के भी केसेस लगातार सामने आ रहे हैं। मुंबई की स्थिति को बिगड़ते हुए देखने के बाद बंद हुए या स्टैंडबाय में रखे गए सभी कोविड सेंटरों को फिर से एक्टिव रहने का फरमान सरकार की तरफ से जारी कर दिया गया है। इसी कड़ी में सरकार ने बीकेसी स्थित जंबो कोविड सेंटर को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। यही नहीं इस बार इस सेंटर को अपग्रेड करते हुए यहां किशोरों के लिए भी वैक्सिनेशन सेंटर स्थापित किया गया है। इस बारे में बीकेसी जंबो कोविड सेंटर के डीन ने बताया कि यहां बच्चे 25 के समूह में आएंगे और हम हर दिन 500 बच्चों का टीकाकरण करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इस सेन्टर में हर दिन सात से आठ हजार लोगों का टीकाकरण किया जा सकता है। बता दें कि मुंबई में रविवार को कोरोना वायरस के 8036 मामलों की पुष्टि हुई है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net